# MASA-06

## June - Examination 2026
## M.A. (Final) Examination
## SANSKRIT
## नाटक तथा नाट्यशास्त्र
## Paper : MASA-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

**निर्देश :–** यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड–'अ'** **8×2=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश** :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) यौगन्धरायण के साथ वासवत्ता किस वेष में है?
   (ii) स्वप्नवासवदत्तम् के विदूषक का नाम लिखिए।
   (iii) 'उत्तररामचरितम्' नाटक के प्रथम अंक का नाम क्या है?
   (iv) लव और कुश को कौन से दिव्यास्त्र स्वयं प्रकाशित हैं?
   (v) 'रत्नावली' नाटिका के प्रथम अंक में किस उत्सव की धूम है?
   (vi) 'दशरुपकम्' में किस प्रकाश में नायक–नायिका विभाग है?
   (vii) 'दशरुपकम्' में किस भाव को लवणाकर के समान माना गया है?
   (viii) नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्य में कितने रस होते हैं?

**खण्ड–'ब'** **4×8=32**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश** :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

   अथेदं रक्षोभिः कनकहरिणछद्मविधिना,
   तथावृत्तं पापैर्व्यथयति यथा क्षालितमपि।
   जनस्थाने शून्ये विकलकरणैरार्यचरितैः,
   अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्।।

3. 'उत्तररामचरितम्' नाटक के अनुसार सीता का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

   परिहरतु भवान् नृपापवादं,
   न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
   नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते,
   वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति।।

5. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए –

वृत्तवतिष्यमाणानां कथांशानां निदर्शकः।
संक्षेपार्थस्तु विष्कम्भो मध्यमपात्रप्रयोजितः।।

**अथवा**

पृथग्भावा भवन्त्यन्येऽनुभावत्वेऽपि सात्त्विकाः।
सत्त्वादेव समुत्पत्तेस्तच्च तद्भावभावनम्।।

6. रत्नावली नाटिका के आधार पर रत्नावली का चरित्र चित्रण कीजिए।
7. नाट्यशास्त्र के अनुसार – ''अष्टौ नाट्ये रसाः स्मृताः'' वाक्यांश को समझाइए।
8. दशरुपक के अनुसार रस निष्पत्ति प्रक्रिया को लिखिए।
9. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

**खण्ड–'स'** **2×16=32**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश** :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाट्य तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।
11. ''कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते'' सूक्ति वाक्य की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
12. दशरुपकम् के अनुसार नाट्यसन्धियों पर सारगर्भित लेख लिखिए।
13. नाट्यसूत्र की व्याख्या 'अभिव्यक्तिवाद' के अनुसार कीजिए।

---